Class - B.Com II
Subject M.F.I
Paper IV (5)
Topic. RBI
Lecture Sequence - 8
By Dr. C P Sahu
Marwari College, Darbhanga.

रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया : (केन्द्रीय बैंक)

(1)

भारत में रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया जिसे केन्द्रीय बैंक भी कहते हैं। इसकी स्थापना बंगाल के गवर्नर हेस्टिंग ने 1773 ई० में (जिसका नाम था बैंक ऑफ इन बेंगाल एण्ड बिहार) की थी। 1913 ई० में चेम्बरलेन आयोग ने केन्द्रीय बैंक की स्थापना का प्रस्ताव दिया। प्रथम विश्वयुद्ध के कारण यह प्रस्ताव पर विचार न हो सका। 1921 में भारत सरकार ने देश में केन्द्रीय बैंक के अभाव को दूर करने के लिए इम्पीरियल बैंक ऑफ इण्डिया की स्थापना की। फिर भारत सरकार ने कमीशन के सुझाव के अनुसार 1927 में विधानसभा में 'ओल्ड स्टैण्डर्ड एण्ड बैंक ऑफ इण्डिया' पेश किया गया लेकिन बैंक के स्वामित्व एवं निदेशक मंडल के नियुक्ति को लेकर काफी मतभेद हो गया। फिर 1929 में केन्द्रीय बैंकिंग जाँच कमिटि ने रिजर्व बैंक की स्थापना पर अपना विचार प्रकट किया। 16 फरवरी 1934 को काउन्सिल ऑफ स्टेट द्वारा पारित कर दिया गया और विधिवत रूप में 1 April 1935 से अपना कार्य आरम्भ कर दिया। इस रिजर्व बैंक का केन्द्रीय कार्यालय कलकत्ता था। बाद में 1937 से इसका केन्द्रीय कार्यालय मुम्बई हो गया। 1 January 1949 को भारतीय रिजर्व बैंक का राष्ट्रीयकरण हुआ।

भारतीय रिजर्व ऑफ इण्डिया का उद्देश्य

(1) केन्द्रीय कोष की स्थापना - देश के सभी बैंक अपने-अपने नगद कोषों को अपने अधिकार में रखते थे जिससे देश की आर्थिक व्यवस्था कमजोर होने लगी। जनता का विश्वास भी कम होने लगा। इस कमी को दूर करने के लिए ही केन्द्रीय बैंक की स्थापना की गयी जिससे सभी बैंक

के बाद कोष एक जगह केन्द्रीकरण हो सके। (2)

(2) विदेशों से मौद्रिक संबंध – ~~विदेशों~~ देश की आर्थिक प्रगति के लिए विदेशों से मौद्रिक संबंध बनाना आवश्यक हो गया। इसलिए ~~इस~~ आर्थिक स्थिति को ठीक करने के लिए केन्द्रीय बैंक की स्थापना की गयी।

(3) मुद्रा बाजार का संगठन – रिजर्व बैंक की स्थापना से पूर्व भारतीय मुद्रा बाजार असंगठित एवं दोषपूर्ण था। इसलिए मुद्रा बाजार के विभिन्न विभागों में समन्वय ~~स्थापना~~ के लिए केन्द्रीय बैंक की स्थापना हुई।

(4) कृषि साख व्यवस्था – हमारा देश कृषि प्रधान देश है। रिजर्व बैंक का एक प्रमुख उद्देश्य यह भी था कि कृषि साख की व्यवस्था के लिए राज्य सरकार और केन्द्र सरकार के मध्य संबंध बना रहे जिससे ठोस नीति बनायी जा सके। जिससे कृषि साख प्रदान करने वाली संस्था को सही सलाह दे सके।

(5) रुपये की आन्तरिक एवं बाह्य मूल्यों में स्थिरता लाना – बैंक की स्थापना से पूर्व साख नियंत्रण एवं मुद्रा नियंत्रण अलग-अलग हाथों में था।

Scanned with CamScanner

जिससे रुपये की आन्तरिक एवं बाह्य मूल्यों में स्थिरता लाना संभव नहीं था। इस कमी को दूर करने के लिए एक केन्द्रीय बैंक की स्थापना हुई।

(6) साख एवं मुद्रा नीति में समन्वय - साख एवं मुद्रा दो अलग-अलग संस्थाओं के द्वारा किया जाता था। साख का नियंत्रण इम्पीरियल बैंक करते थे तो मुद्रा का निर्गमन एवं नियंत्रण केन्द्र सरकार करती थी। यह प्रणाली देश के हित में नहीं था। इसलिए दोनों कार्यों को करने के लिए केन्द्रीय बैंक की स्थापना की गयी।

(7) वित्त संबंधी सूचनाओं का संकलन एवं प्रकाशन - देश के आर्थिक स्थिति की जानकारी देश के जनता के लिए अत्यावश्यक है। इसलिए वित्त संबंधी सूचनाओं को एकत्रित कर उसे प्रकाशित कर जनता को बतलाये।

(8) व्यापारिक बैंकों का विकास - व्यापारिक बैंक के विकास के लिए केन्द्रीय बैंक का महत्वपूर्ण योगदान होता है। जिससे नियमन एवं नियंत्रण सभी बैंकों को समान रूप से दे सके। इस व्यवस्था को ठीक करने के लिए केन्द्रीय बैंक की स्थापना की गयी।

Scanned with CamScanner

रिजर्व बैंक के प्रबंध एवं संगठन -

रिजर्व बैंक का प्रबन्ध एक केन्द्रीय बोर्ड संचालक बोर्ड द्वारा किया जाता है, इस बोर्ड में 20 सदस्य होते हैं जिसमें एक गवर्नर, चार डिप्टी गवर्नर, एक वित्त मंत्रालय द्वारा नियुक्त सरकारी अधिकारी, दस संचालक जो भारत सरकार द्वारा मनोनीत होते हैं। केन्द्रीय बोर्ड के अतिरिक्त चार स्थानीय बोर्ड भी हैं जिसका मुख्य कार्यालय मुम्बई, कलकत्ता, चेन्नई एवं नई दिल्ली में है। गवर्नर रिजर्व बैंक का सर्वोच्च पदाधिकारी होता है।

संगठन -

1. कर्ज प्रबन्ध विभाग
2. बैंकिंग परिचालन एवं विकास विभाग
3. बैंकिंग पर्यवेक्षण विभाग
4. औद्योगिक और निर्यात ऋण विभाग
5. बाह्य निवेश एवं परिचालन विभाग
6. सूचना प्रौद्योगिकी विभाग
7. आर्थिक विश्लेषण एवं नीति विभाग
8. सांख्यिकी विश्लेषण और कम्प्यूटर सेवा विभाग
9. प्रशासन एवं कार्मिक प्रबन्ध विभाग
10. मौद्रिक नीति विभाग
11. मानव संसाधन विकास विभाग
12. व्यय एवं कोष नियंत्रण विभाग

Scanned with CamScanner

इसके अलावा भी बहुत से ऐसे विभाग हैं जो बैंकों को नियंत्रित करने, रिजर्व बैंक के अधिकारियों तथा कर्मचारियों की नियुक्ति एवं वेतन निश्चित करने के लिए तथा बैंक के अन्य कार्यों के लेनदेन का हिसाब-किताब सही ढंग से रखने की का कार्य करती है।

रिजर्व बैंक के कार्य : (A) केन्द्रीय बैंकिंग कार्य के अन्तर्गत - (1) नोट निर्गमन के कार्य (2) साख का नियंत्रण (3) सरकार का बैंकर तथा सलाहकार (4) बैंकों का बैंक (5) विदेशी विनिमय नियंत्रण (6) अन्य कार्य (i) बैंकिंग शिक्षा का विकास करना (ii) आर्थिक सूचनाएँ एवं आँकड़े एकत्रित करना एवं प्रकाशन करना। (iii) समाशोधन गृह का कार्य (iv) मुद्रा का हस्तान्तरण (v) नियंत्रित करने में सहायता (vi) मुद्रा परिवर्तन का कार्य

(B) साधारण बैंकिंग कार्य - (1) निक्षेप स्वीकार करना (2) व्यापारिक एवं वाणिज्यिक बिलों का क्रय-विक्रय करना (3) कृषि बिलों का क्रय-विक्रय करना (4) ऋण देना (5) विदेशी प्रतिभूतियों का क्रय-विक्रय करना (6) ऋण लेना (7) मूल्यवान धातुओं का क्रय-विक्रय करना (8) अन्य बैंकों से व्यवहार करना

(C) (1) बैंकिंग प्रक्रियाओं का विस्तार (2) रिजर्व बैंक और कृषि बैंक साख (3) आर्थिक साख (4) रिजर्व बैंक का प्रभाव (5) कीमत स्तर की स्थिरता इत्यादि।

Scanned with CamScanner